# तीव्र पुरुषार्थ - 2

➢➢ जो दाग पहले लग चुके हैं तो अब क्या करना है ?

➳ _ ➳ सबसे पहले स्वीकार कीजिये की दाग लगा हुआ है

→ स्वयं को धोखा मत दीजिये

→ सफ़ेद कागज़ पर छोटा सा काला दाग भी बहुत बड़ा दिखाई देता है

➢➢ अब आगे और दाग न लगे, उसके लिए क्या करना है ?

➳ _ ➳ इस पर चिंतन कीजिये

➢➢ हम स्वयं के साथ धोखा क्यों करते हैं ?

➳ _ ➳ खुद की गलतियां छिपाने के लिए

➳ _ ➳ स्वयं को बड़ा दिखाने के लिए

---

➢➢ एक ब्राह्मण आत्मा स्वयं को कहाँ कहाँ धोखा ( SELF CHEATING / SELF **DECEPTION** ) देती है ?

➳ _ ➳ DIGITAL DECEPTION

→ साधनों में जरूरत से ज्यादा फंसते जा रहे हैं... OVERUSE कर रहे हैं...

➳ _ ➳ E = EATING

→ क्या शरीर को उतने भोजन की आवश्यकता है जितना हम उसमें डाल रहे हैं ?

→ इस शरीर को जितने भोजन की आवश्यकता है ... उससे कई गुना अधिक हम इस शरीर में डाल रहे हैं

→ कम खाने से कभी कोई बीमार नहीं होता ... ज्यादा खाने से बीमार होता है

→ जरूरत से ज्यादा खाना एक ADDICTION बन चूका है

→ शरीर तपस्या के लिए दिया गया है ? या भोग विलास के लिए दिया गया है ?

➳ _ ➳ E = EARNING

→ GREED को NEED का नाम दिया जा रहा है

→ सांसारिक इच्छाएं कम करनी होंगी

→ संसार का भी सब कुछ चाहिए और भगवान का भी सब कुछ चाहिए... यह नहीं हो सकता है... आप दो नावो में एक साथ सवार नहीं हो सकते

→ भगवान और माया - दोनों की सेवा एक साथ नहीं की जा सकती

➳ _ ➳ C = CONDUCT ( मर्यादाएं )

→ मर्यादाएं बहुत गहरी हैं... बाबा ने तो स्मृति तक की मर्यादाएं बतायी हैं

➳ _ ➳ E = EGO

→ सेवा के नाम पर अपने अहंकार की तृप्ति कर रहे हैं ... नाम मान शान के लिए कर रहे हैं

➳ _ ➳ P = PURITY

→ संकल्प रुपी नाखून भी मिटटी में न जाएँ

➳ _ ➳ T = TRAVELLING

→ घूमने फिरने का चस्का लग जाता है

➳ _ ➳ T = TALKS / TIME WASTING

→ परचिन्तन परदरशन

→ खाना बनाने में ही बहुत टाइम वेस्ट जा रहा है

➳ _ ➳ I = INSECURITY / भय

→ कहीं हमें निकाल दिया तो .....

➳ _ ➳ O = OCCUPATION / जॉब / सेवा

→ दिखावा करते हैं

→ **जो सेवा जितनी गुप्त है, उतनी ही वह पावरफुल है**

➳ _ ➳ O = OBSESSION / जूनून /

→ चाय भी एक ADDICTION बन चुकी है

→ किसी भी तरह के खाने पीने का बहुत ज्यादा शोंक

→ PROCESSED चीज़ों की ADDICTION हो जाती है... NATURAL चीज़ों की ADDICTION नहीं होती

➳ _ ➳ N = NEWORK ( संपर्क ) NEXUS ( CONNECTION ) - सम्बन्ध संपर्क

→ सेवा की आड़ में बहुत आत्माओं से UNNECESSARY संपर्क जोड़ रखा है

→ जहां EMOTIONAL DETACHMENT होती है, वहाँ सेवा ज्यादा अच्छी होती है

---

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 3 & 4  Of Teevra Purusharth Book

---